AMAR UJALA MY CITY Page 5 & 6

## डॉ. माहेश्वरी बने कॉमर्स संकाय अध्यक्ष

**लखनऊ।** लखनऊ विश्वविद्यालय में बुधवार को दो महत्वपूर्ण प्रशासनिक बदलाव किए गए। इसके तहत प्रो. आरके माहेश्वरी को वाणिज्य संकाय का नया संकाय अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वही, प्रो. कालीचरण पांडेय को दर्शनशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। विवि कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बुधवार को इस संबंध में आदेश जारी कर दिया।

## सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान

**लखनऊ।** लखनऊ विश्वविद्यालय में बुधवार को सेवानिवृत्त शिक्षकों को सम्मानित किया गया। उमा हरिकृष्ण अवस्थी सभागार में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सेवानिवृत्त शिक्षकों प्रो. शेषु लवानिया, (वनस्पति विज्ञान), प्रो. पद्मकान्त (रसायन विज्ञान), प्रो. आरएम नायक (रसायन विज्ञान), प्रो. वीएस यादव (रसायन विज्ञान), प्रो. जेके शर्मा (व्यापार प्रशासन) एवं प्रो. राजीव शरण (राजनीति विज्ञान) को स्मृति चिन्ह एवं शाल देकर सम्मानित किया। प्रो. आशुतोष मिश्र (राजनीति विज्ञान) और प्रो. नूपुर सेन (शिक्षा शास्त्र) भी 30 जून को सेवानिवृत्त हुए हैं, लेकिन अस्वस्थता के कारण विश्वविद्यालय नहीं आ सके।

## वीसी ने तीन नई वाटिकाओं में किया पौधरोपण

**लखनऊ।** भारतीय परंपरागत ज्ञान और औषधीय पौधों के प्रति जागरूकता और उनकी उपयोगिता से लोगों को परिचित कराने के उद्देश्य से लखनऊ विश्वविद्यालय में बुधवार को तीन नई वाटिकाएं बनाई गई। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने तीनों वाटिकाओं में एक-एक पौधा रोपकर इसका शुभारंभ किया। पंचवटी वाटिका में पांच प्रकार के, नवग्रह वाटिका में नौ और औषधीय वाटिका में 16 प्रकार के पौधे रोपे गए हैं। इस मौके पर औषधीय पौधों पर ई-बुकलेट का भी शुभारंभ किया गया। कोरोना संक्रमण के समय इम्युनिटी बढ़ाने में आयुर्वेद के फायदे को देखते हुए लविवि ने औषधीय वाटिका स्थापित करने का फैसला किया है। साथ ही नवग्रह और पंचवटी के नाम से दो अन्य वाटिका भी बनाई हैं। इन वाटिकाओं की व्यवस्थापक प्रो. अमिता कनौजिया ने बताया कि इन वाटिकाओं का मकसद लोगों को औषधीय पौधों के बारे में जानकारी देना है। इनसे कई बीमारियों से निजात मिलती है।

NBT Page 3 & 6

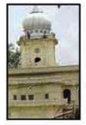

# एलयू और संबद्ध कॉलेजों के लिए अब एक ऐडमिशन फॉर्म

■ एनबीटी, लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय और इससे संबद्ध कॉलेजों में अब प्रवेश के लिए छात्रों को अब अलग-अलग फॉर्म नहीं भरने होंगे। दिल्ली विश्वविद्यालय की तर्ज पर एलयू में भी दाखिलों की केन्द्रीयकृत व्यवस्था की तैयारी शुरू हो गई है। इसके तहत स्टूडेंट्स को अब सिर्फ एक ऐडमिशन फॉर्म भरना होगा। बुधवार को एलयू प्रशासन की मीटिंग में हुए इस फैसले के हवाद अब सभी संबद्ध कॉलेजों को इस सिस्टम से जुड़ने के लिए तीन दिन का समय दिया गया है।

**केन्द्रीयकृत दाखिलों पर लगी मुहर, महाविद्यालय और कॉलेजों को जुड़ने का भेजा गया प्रस्ताव**

लखनऊ विश्वविद्यालय से जुड़े महाविद्यालयों की संख्या करीब 170 है। अभी तक सिर्फ एमएड और बीएलएड को छोड़कर लखनऊ विश्वविद्यालय और अन्य महाविद्यालय में अलग-अलग अपनी ऐडमिशन फॉर्म भरे जाते रहे हैं। इस बीच एलयू में हुई बैठक में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में कुलसचिव डॉ. विनोद सिंह समेत अन्य जिम्मेदारों की बैठक हुई। बैठक के बाद सभी महाविद्यालयों को शामिल होने का प्रस्ताव भेज दिया गया है। जो भी महाविद्यालय जुड़ने में सहमति जताएंगे वह काउंसलिंग के दौरान छात्रों को विकल्प के रूप में उपलब्ध होंगे।

### दो वर्ग में बांटे पाठ्यक्रम

एलयू ने पाठ्यक्रमों को नियमित और व्यावसायिक वर्ग में बांटने का फैसला किया है। इसके तहत कॉलेजों को पाठ्यक्रमवार जुड़ने का विकल्प दिया जाएगा। महाविद्यालयों को नियमित पाठ्यक्रम के लिए करीब 50 हजार और व्यावसायिक पाठ्यक्रम की काउंसलिंग में जुड़ने के लिए करीब एक लाख रुपये का शुल्क देना होगा। वहीं, एलयू में अभी तक प्रवेश प्रक्रिया पर असमंजस की स्थिति है। दाखिले परीक्षा के माध्यम से होंगे या मेरिट से होंगे, इस रप मंथन चल रहा है।

## वन महोत्सव पर एलयू को मिले 3 नए गार्डन

■ एनबीटी, लखनऊः वन महोत्सव पर बुधवार को लखनऊ विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. आलोक कुमार ने एक पौधा लगाया। साथ ही औषधीय पौधों और पारंपरिक ज्ञान पर एक पुस्तिका का विमोचन किया। इस अवसर पर विवि परिसर में तीन नए गार्डन 'पंचवटी', 'नवग्रह' और 'आयुषी' बनाए गए, जहां खासतौर पर औषधीय पौधों को लगाया गया। इस अवसर पर प्रो. नीरज जैन, प्रो. पूनम टंडन, प्रो. मनुका खन्ना, प्रो. नलिनी पांडेय, प्रो. ध्रुवसेन सिंह, प्रो. एएम सक्सेना, प्रो. देशदीपक और प्रो.अमित कन्नौजिया, समन्वयक वन्यजीव विज्ञान संस्थान उपस्थित रहे।

## एलयू में सेवानिवृत्त शिक्षकों का हुआ सम्मान

■ एनबीटी, लखनऊः एलयू में बुधवार को सेवानिवृत्त शिक्षकों को सम्मानित किया गया। वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने उमा हरिकृष्ण अवस्थी सभागार में सेवानिवृत्त शिक्षकों को स्मृति चिह्न और शॉल देकर सम्मानित किया। इनमें प्रो. शेषु लवानिया, , प्रो. पद्मकान्त, प्रो. आर एम नायक, प्रो. वीएस यादव, प्रो. जेके शर्मा और प्रो. राजीव शरण शामिल हैं। वहीं, प्रो. आशुतोष मिश्र और प्रो. नूपुर सेन भी 30 जून को सेवानिवृत्त हुए।

DAINIK JAGRAN Page 5

## फॉरेंसिक और कानूनी विशेषज्ञों ने दी जानकारी

लखनऊ : लविवि में बुधवार को आयोजित दो दिवसीय वेबिनार में देश विदेश के फॉरेंसिक एंटोमोलॉजी और कानूनी विशेषज्ञों ने प्रतिभाग किया। जर्मनी से प्रो. मार्क बेनेके एक सुप्रसिद्ध स्वतंत्र फॉरेंसिक जीव विज्ञानी हैं, जिन्होंने एडोल्फ और ईवा हिटलर के खोपड़ी की पहचान सहित कई मामलों पर प्रकाश डाला है। (जासं)

## प्रो. महेश्वरी बने संकाय अध्यक्ष, प्रो. पांडेय विभागाध्यक्ष

लखनऊ : लविवि में बुधवार को प्रशासनिक स्तर पर बदलाव किए गए। वाणिज्य संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. सोमेश शुक्ल का तीन वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर व्यवहारिक अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. आरके महेश्वरी जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं, दर्शनशास्त्र विभाग के प्रो. कालीचरण पाण्डेय को विभागाध्यक्ष पद बनाया गया है। (जासं)

## लविवि में पहली बार सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान

लखनऊ विश्वविद्यालय में बुधवार को पहली बार सेवानिवृत्त शिक्षकों को सम्मानित किया गया। विवि प्रशासन की ओर से इस बार नई परंपरा की शुरुआत कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने की। उन्होंने उमा हरिकृष्ण अवस्थी सभागार में सेवानिवृत्त शिक्षकों को स्मृति चिन्ह एवं शाल देकर उन्हें सम्मानित किया। सेवानिवृत्त शिक्षकों में वनस्पति विज्ञान से प्रो. शेष लवानिया, रसायन विज्ञान विभाग के प्रो. पद्मकान्त, प्रो. आर एम नायक और प्रो. वीएस यादव, प्रो. जेके शर्मा और राजनीति शास्त्र विभाग के प्रो. राजीव शरण को सम्मानित किया गया।

PIONEER Page 4

## सेवानिवृत्त शिक्षकों को किया गया सम्मानित

**लखनऊ।** लखनऊ विश्वविद्यालय में बुधवार को सेवानिवृत्त शिक्षकों को सम्मानित किया गया। एक नई परंपरा का प्रारम्भ करते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने आज उमा हरिकृष्ण अवस्थी सभागार में सेवानिवृत्त शिक्षकों को स्मृति चिह्न एवं शाल देकर सम्मानित किया। सेवानिवृत्त शिक्षकों में प्रो शेषु लवानियाए (वनस्पति विज्ञान) प्रो पद्मकान्त (रसायन विज्ञान) प्रो आर एम नायक (रसायन विज्ञान) प्रो वी एस यादव (रसायन विज्ञान) प्रो जे के शर्मा (व्यापार प्रशासन) एवं प्रो राजीव शरण (राजनीति विज्ञान) को सम्मानित किया गया। बता दें कि प्रो आशुतोष मिश्र (राजनीति विज्ञान) एवं प्रो नूपुर सेन (शिक्षा शास्त्र) भी आज सेवानिवृत्त हुए किंतु अस्वस्थता के कारण विश्वविद्यालय नही आ पाए।

THE PIONEER Page 3

On the occasion of Van Mahotsav, Lucknow University established three new gardens — 'Panchvati', 'Navgrah' and 'Aushadhiye' Vatika — on the campus on Wednesday. Each garden contains plants and trees that find mention in ancient and sacred texts. Vice-Chancellor Alok Kumar Rai planted saplings in different gardens and released a booklet on Medicinal Plant and Traditional Knowledge.

TOI Page 2

## Varsity turns greener with new gardens

TIMES NEWS NETWORK

**Lucknow:** LU got three gardens on the occasion of 'Van Mahotsava' on Wednesday. The Navgrah Vatika, Panchvati Vatika and Aushadhiye Vatika—together costing around Rs 40,000—were inaugurated on the Lucknow University campus.

Established with assistance from the Union ministry of environment and forests, around 30 saplings were planted in the three gardens set up at three different places on the University Road campus.

Saplings of five trees—peepal, banyan, bel, amla and Ashok—having ecological relevance were planted in the Panchvati Vatika created in the open space outside ONGC multi-disciplinary building.

Plantation of nine saplings—shami, peepal, goolar, madar, palash, banyan, kush, durva, apamarg and kher—representing nine planets and the sun, as per ancient Hindu scriptures, was done in the 'Navgrah Vatika' set up at Tagore Lawns.

The Aushadhiye Vatika was created near commerce block with the plantation of 15 medicinal plants and aromatic plants like brahmi, madar, amla, sandal, marigold and neem among others.

HINDUSTAN Page 6

**एलयू:** केन्द्रीयकृत दाखिलों पर लगी मुहर, महाविद्यालयों को जुड़ने के लिए तीन दिन का समय दिया

# एक फॉर्म से विवि समेत कॉलेजों में दाखिले

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय और उसके सहयुक्त महाविद्यालयों में प्रवेश के लिए छात्रों को अलग-अलग फॉर्म नहीं भरने पड़ेंगे। लखनऊ विश्वविद्यालय का आवेदन फॉर्म भरने वाले छात्रों को शहर में संचालित कई अन्य महाविद्यालयों में भी प्रवेश का मौका मिलेगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय की दर्ज पर लखनऊ विश्वविद्यालय में भी दाखिलों की केन्द्रीकृत व्यवस्था पर बुधवार को मुहर लगा दी गई है। विश्वविद्यालय ने सभी सहयुक्त महाविद्यालयों को जुड़ने का विकल्प दिया है। इसके लिए तीन दिन में प्रस्ताव मांगा है। जो भी महाविद्यालय इस केन्द्रीकृत दाखिले की व्यवस्था में जुड़ने का विकल्प चुनेंगे, उन सभी संस्थानों में छात्रों को सिर्फ लविवि के आवेदन फॉर्म के आधार पर ही प्रवेश मिल जाएगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय के 100 साल के इतिहास में यह पहली बार है जब इस तरह की केन्द्रीकृत प्रवेश व्यवस्था लागू की जा रही है।

राजधानी में लविवि से जुड़े महाविद्यालयों की संख्या करीब 170 है। अभी तक सिर्फ एमएड और बीएलएड को छोड़कर लखनऊ विश्वविद्यालय और अन्य महाविद्यालय अलग अलग प्रवेश लेते थे। दाखिले की केन्द्रीकृत व्यवस्था को लेकर लखनऊ विश्वविद्यालय में बुधवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में कुलसचिव डॉ. विनोद सिंह समेत अन्य जिम्मेदारों की बैठक हुई। बैठक के बाद सभी महाविद्यालयों को शामिल होने का प्रस्ताव भेज दिया गया है। जो भी महाविद्यालय जुड़ने में सहमति जताएंगे वह काउंसलिंग के दौरान छात्रों को विकल्प के रूप में उपलब्ध होंगे।

### दो वर्गों में जुड़ेंगे कॉलेज

लखनऊ विश्वविद्यालय ने सभी पाठ्यक्रमों को दो वर्गों में विभाजित किया है। एक नियमित और दूसरे व्यवसायिक पाठ्यक्रम। महाविद्यालयों को पाठ्यक्रमवार जुड़ने का विकल्प दिया गया है। मंगलवार को हुई वित्त समिति में इसके शुल्क पर भी मुहर लगा दी गई है। नियमित पाठ्यक्रम के लिए करीब 50 हजार और व्यवसायिक पाठ्यक्रम की काउंसलिंग में जुड़ने के लिए करीब एक लाख का शुल्क देना होगा।

### प्रवेश प्रक्रिया पर असमंजस

लखनऊ विश्वविद्यालय में अभी तक प्रवेश परीक्षा के माध्यम से दाखिले होते थे। लेकिन, इस बार कोरोना के कारण इसको लेकर असमंजस की स्थिति बनी है। दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा होगी या मेरिट से होंगे, इसको लेकर मंथन चल रहा है। बता दें, लखनऊ विश्वविद्यालय ने प्रवेश के लिए आवेदन की तिथि 15 जुलाई तक बढ़ा दी है।

### प्रो. महेश्वरी संकायाध्यक्ष प्रो. पाण्डेय विभागाध्यक्ष बने

लखनऊ विश्वविद्यालय में बुधवार को प्रशासनिक बदलाव किए गए। वाणिज्य संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. सोमेश शुक्ल का तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर व्यवहारिक अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. आरके महेश्वरी को जिम्मेदारी सौंप दी गई है। वह अगले तीन वर्ष या अगले आदेशों पर अथवा अधिवर्षता आयु पूरी होने तक यह जिम्मेदारी संभालेंगे। वहीं, दर्शनशास्त्र विभाग के प्रो. काली चरण पाण्डेय को विभागाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

## विवि में पहली बार सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान

लखनऊ विश्वविद्यालय में बुधवार को सेवानिवृत्त शिक्षकों को सम्मानित किया गया। यह पहली बार है जब विश्वविद्यालय प्रशासन ने शिक्षकों को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। एक नई परंपरा की शुरुआत करते हुए कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने उमा हरिकृष्ण अवस्थी सभागार में सेवानिवृत्त शिक्षकों को स्मृति चिह्न एवं शाल देकर सम्मानित किया।

सेवानिवृत्त शिक्षकों में वनस्पति विज्ञान से प्रो. शेषु लवानिया, रसायन विज्ञान विभाग के प्रो. पद्मकान्त, प्रो. आर एम नायक और प्रो. वीएस यादव के साथ व्यापार प्रशासन विभाग के प्रो. जेके शर्मा और राजनीति शास्त्र विभाग के प्रो. राजीव शरण को सम्मानित किया गया।

राजनीति शास्त्र विभाग के प्रो. आशुतोष मिश्र और शिक्षा शास्त्र विभाग की प्रो. नूपुर सेन (शिक्षा शास्त्र) भी 30 जून को सेवानिवृत्त हुए। लेकिन वे अस्वस्थता के कारण विश्वविद्यालय नहीं आ पाए।

लखनऊ विश्वविद्यालय में बुधवार को वन महोत्सव के अवसर पर तीन नए उद्यान बनाए गए। इनमें से एक उद्यान में पौधरोपण करते हुए लविवि के वीसी प्रो.आलोक कुमार राय।

## लविवि में औषधीय पौधों की वाटिका बनी

**लखनऊ।** लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों के साथ समाज को औषधीय पौधों का लाभ बताने के लिए अनूठी पहल की है। विश्वविद्यालय ने वन महोत्सव के अवसर पर तीन नए उद्यान स्थापित किए हैं। इन उद्यानों को प्रतिरक्षा बढ़ाने वाले पौधों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। बगीचों को 'पंचवटी', 'नवग्रह' और 'औषधीय' वाटिका नाम दिया गया है। वाटिका में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने भी पौधे लगाए। औषधीय पौधे और पारंपरिक ज्ञान पर पुस्तिका का विमोचन भी हुआ।

i-NEXT Page 4

## रिटायर्ड शिक्षकों का सम्मान

एलयू में बुधवार को सेवानिवृत्त शिक्षकों को सम्मानित किया गया. वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने उमा हरिकृष्ण अवस्थी सभागार में सेवानिवृत्त शिक्षकों को स्मृति चिह्न एवं शाल देकर सम्मानित किया. प्रो. शेषु लवानिया, प्रो. पद्मकांत, प्रो. आरएम नायक, प्रो. वीएस यादव, प्रो. जेके शर्मा एवं प्रो. राजीव शरण को सम्मानित किया गया. वही प्रो. आशुतोष मिश्र एवं प्रो. नूपुर सेन भी 30 जून को सेवानिवृत्त हुए.

## एलयू में नए बगीचों की स्थापना

एलयू में वन महोत्सव के आयोजन अवसर पर वीसी प्रो. आलोक कुमार ने एलयू कैंपस में पौधा लगाया साथ ही औषधीय पौधों और पारंपरिक ज्ञान पर एक पुस्तिका का विमोचन किया. इस अवसर पर कैंपस में तीन नए गार्डन बनाए गए, जिसमें औषधीय पौधों को लगाया गया. इन बगीचों का नाम पंचवटी, नवग्रह और आयुषी वाटिका रखा गया.